समण संस्कृति संकाय

जैन विश्व भारती, लाडनूँ

जैन विद्या परीक्षा : सत्र 2018-19 **3 अ**

जैन विद्या भाग-3

समय : ½ घण्टा पूर्णांक 30

रोल नं. अंको में .....

शब्दों में.....

नोट :- सभी प्रश्नो के अंक समान है। उत्तीर्णांक 100 में से 40 अंक होंगे।

अ, ब, स, द में से सही उत्तर वाले वर्ण को सामने अंकित कोष्ठक ( ) में भरें।

1. संक्षेप दृष्टि से यह लोक कितने तत्वों से बना है-
   (अ) 4 (ब) 5
   (स) 2 (द) 9 ( )
2. जिन मनुष्यों के मन होता है, वे क्या कहलाते हैं-
   (अ) असंयमी (ब) असंज्ञी
   (स) संयमी (द) संज्ञी ( )
3. इनमें से कौनसे देवता के प्रकार नहीं है-
   (अ) भवनपति (ब) जलचर
   (स) ज्योतिष्क (द) वैमानिक ( )
4. आचार्यश्री डालगणी का जन्म कब हुआ-
   (अ) वि.सं. 1909 आषाढ शुक्ल 4
   (ब) वि.सं. 1912 भाद्र पद कृष्ण 4
   (स) वि.सं. 1860 भाद्रव शुक्ल 13
   (द) वि.सं. 1860 आश्विन शुक्ल 14 ( )
5. कितने देश के राजाओं ने मल्लिकुमारी से विवाह की कामना की थी?
   (अ) 4 (ब) 5
   (स) 2 (द) 6 ( )
6. भगवान महावीर के कितने गणधर थे?
   (अ) 10 (ब) 5
   (स) 11 (द) 9 ( )
7. अंतिम केवली कौन हुए?
   (अ) गौतम स्वामी (ब) जंबू स्वामी
   (स) सुधर्मा स्वामी (द) महावीर स्वामी ( )
8. हिंसा कितनी श्रेणियों में विभक्त की जा सकती है?
   (अ) 3 (ब) 4
   (स) 2 (द) 5 ( )

9. जीव के अस्तित्व के बारे में संदेह किस गणधर को था?
(अ) प्रभात (ब) वायुभूति
(स) मेतार्य (द) गौतम ( )

10. तेरापंथ धर्म संघ के छठे आचार्य कौन थे?
(अ) आचार्यश्री माणकगणी (ब) आचार्यश्री तुलसी गणी
(स) आचार्यश्री कालुगणी (द) आचार्यश्री मघवागणी ( )

रिक्त स्थान की पूर्ति करें –

(1) तेरापंथ धर्मशासन एक आचार्य.....एक विचार और एक.....के लिए प्रसिद्ध है।

(2) जिस जप में इष्ट मंत्र की आवृत्ति केवल मन से उसे.....जप कहते हैं।

(3) हम अभय निर्मल.....है अटल जैसे हिमालय।

(4) याकिनी महत्तराजी धीर–..... आगम विज्ञ और व्यवहार निपुण साध्वी थी।

(5) जैन संस्कृति व्रात्यों की संस्कृति है। उसका अर्थ है संयम और.....

(6) .....और.....हरिभद्र के दो विद्वान शिष्य है।

(7) अहिंसा सव्वभूय.....

(8) धर्म दो प्रकार संवर और.....

(9) तेरापंथ धर्म संघ में प्रतिवर्ष प्रमुख रूप से.....महोत्सव मनाये जाते हैं।

(10) 'समता का लाभ' कौन से व्रत ग्रहण करने में होता है.....

सही और गलत का चयन (✓) व (✗) का चिन्ह लगायें –

(1) मुक्त को अमुक्त एवं अमुक्त को मुक्त समझना सम्यक्त्व है। ( )
(2) भारतीय संस्कृति दो धाराओं में प्रवाहित हुई है, वैदिक संस्कृति और श्रमण संस्कति ( )
(3) आत्मा ही अपना मित्र है और आत्मा ही शत्रु है। ( )
(4) जन्म मरण का मुख्य कारण है आत्मा का कर्म रहित होना। ( )
(5) अपरिग्रह का आधार है मुर्छा और आसक्ति। ( )
(6) आत्मा के साथ कर्मों का संबंध अनादि कालिन है। ( )
(7) जैन दर्शन, सत्य के साक्षात्कार का दर्शन है इसलिए वह अनेकांत का दर्शन है। ( )
(8) तेरापंथ धर्म संघ में आज तक सात साध्वी प्रमुखाएं हुई है। ( )
(9) रूढिवाद भीखणजी के प्रकृति के विरुद्ध। ( )
(10) गति शब्द का अर्थ है स्थिर रहना। ( )

समण संस्कृति संकाय

जैन विश्व भारती, लाडनूँ

जैन विद्या परीक्षा : सत्र 2018–19 **3 ब**

जैन विद्या भाग-3

समय : 2½ घण्टा पूर्णांक 70

नोट– पिछले कोर्स से 15 नम्बर के प्रश्न अ व ब दोनों प्रश्न पत्र में पूछे जा सकते हैं। उत्तीर्णांक 100 में से 40 अंक होंगे

(**A**) किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर संक्षिप्त में लिखें– 5×2=10

1. सच्चं लोयम्मि सार भूयम् का अर्थ लिखें?
2. नया मोड....हमको सबसे प्यारा पद्य को पूरा करो?
3. भगवान महावीर के कितने गणधर हुए? उनकी रचनाएँ क्या कहलाती है?
4. हरिभद्र के प्रमुख ग्रंथ के नाम लिखें?
5. मघवागणी को आचार्य पद कहाँ दिया? व अपने हाथों से कितनी दीक्षा दी?
6. तेरापंथ धर्म संघ में कितनी साध्वी प्रमुखाएँ हुई? व वर्तमान साध्वी प्रमुखा का नाम बताओ?

(**B**) किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर लिखें– 5×3=15

1. नरक गति का वर्णन करें?
2. जंबू स्वामी के साथ कौन–कौन मोक्ष गये?
3. क्या अर्थ हिंसा में भी पाप है? यदि है तो क्यूं?
4. धर्मास्तिकाय और अधर्मास्तिकाय में क्या भेद हैं?
5. तेरापंथ स्थापना दिवस की कब व कहाँ शुरुआत हुई?
6. जप करते समय किन–किन बातों का ध्यान रखना चाहिए?

(**C**) किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर लिखें– 5×4=20

1. सरण–गई–पइट्ठा....की आगे की पाटी को पूर्ण करें?
2. आचार्य भिक्षु के प्रेरक प्रसंग–रुढिवादी के विरोधी इस घटना को संक्षेप में लिखें?
3. अनेकांत का जैन धर्म में क्या महत्व है?
4. रत्नत्रयी किसे कहते है? उनका संक्षिप्त वर्णन करें?
5. आचार्य माणकगणी के आचार्य अवस्था पर प्रकाश डालें?
6. अरिष्टनेमि एवं कृष्ण के पारिवारिक संबंध पर लिखें?

(D) निम्न प्रश्नों के उत्तर लिखें– 3×5=15

1. काउस्सग्ग पडिन्ना या महावीर वाणी का शिक्षा पद लिखें?
2. मघवागणी के जीवन पर संक्षिप्त प्रकाश डालें?
3. शब्दार्थ लिखें (कोई पांच)

(1) मोणेणं (2) सहसंबुद्धाणं (3) तांरयाणं
(4) आचाम्ल (5) विवेगे धम्ममाहिए (6) पंचिंदिया

(**E**) निबंधात्मक प्रश्न (कोई एक) 1×10=10

1. गजसुकुमाल की सहनशीलता की कथा अपने शब्दों में लिखें।
2. मल्लिककुमारी की कहानी संक्षिप्त में लिखें।